# RAMAKRISHNA MISSION VIDYAMANDIRA

**(Residential Autonomous College affiliated to University of Calcutta)**

**FIRST YEAR [2017-20]**

**B.A./B.Sc. FIRST SEMESTER (July – December) 2017**

**Mid-Semester Examination, September 2017**

Date : 12/09/2017 **SANSKRIT (Honours)**

Time : 11 am – 1 pm Paper : I Full Marks : 50

1. लक्षणोदाहरणाभ्यां छन्दो**द्वयं** व्याख्येयम्। [2×5]
   इन्द्रवज्रा, वंशस्थविलम्, रथोद्धता

2. **एका** कारिका कार्या। [1×5]
   क) संहितैकपदे नित्या नित्या धातूपसर्गयोः।
   नित्या समासे वाक्ये तु सा विवक्षामपेक्षते॥
   ख) उपसर्गेण धात्वर्थो बलादन्यत्र नीयते।
   प्रहाराहारसंहारविहारपरिहारवत्॥

3. यथेच्छं **द्वयोः** स्थलयोः सन्धिविच्छेदः करणीयः। [2×1]
   सखयागच्छ, नावि, शयीरन्

4. यथेच्छं वाक्य**त्रय**स्य अर्थ एकैकेन पदेन प्रकाशनीयः। [3×1]
   क) भृशं रोदिति। ख) जेतुं शक्यम्। ग) रहसि भवम्।
   घ) अहनि अहनि। ङ) सुमित्रायाः अपत्यं पुमान्।

5. यथेच्छं **द्वय**स्य अर्थपार्थक्यं कार्यम्। [2×2]
   अर्थी & अर्थवान्, किङ्करा & किङ्करी, स्थला & स्थली

6. संस्कृतभाषयानुवादः करणीयः। [5]
   पार्थिव द्रव्य मानुषের যথার্থ সুখবিধান করতে পারে না | সুখ আমাদের আপন হৃদয়ে বাস করে | মানুষের মৃত্যুর পরেও যশ চিরকাল থাকে | সুতরাং যতদিন বাঁচবে যশোলাভের চেষ্টা করবে | ধন ও বলের গর্ব করো না |

7. যথেচ্ছ**मेक**स्य प्रश्नस्योत्तरं प्रदेयम्। [1×10]
   क) का नाम नान्दी? का च नान्दीसमस्या? तत्सर्वं सयुक्त्यालोच्यताम्।
   ख) का प्रस्तावना? सा च कतिविधा? यथेच्छं भेदद्वयस्य व्याख्या सोदाहरणं करणीया।

8. वङ्गभाषयाङ्गलभाषया वानुवादः कार्यः। [4]
   राजवाहनो मङ्गलसूचकं शुभशकुनं विलोकयन्देशं कंचिदतिक्रम्य विन्ध्याटवीमध्यमविशत्। तत्र हेतिहतिकिणाङ्कं कालायसकर्कशकायं यज्ञोपवीतेनानुमेयविप्रभावं व्यक्तकिरातप्रभावं लोचनपरुषं कमपि पुरुषं ददर्श।

9. यथेच्छ**मेक**स्य श्लोकस्य व्याख्या कार्या। [1×7]
   क) आ परितोषाद्विदुषां न साधु मन्ये प्रयोगविज्ञानम्।
   बलवदपि शिक्षितानामात्मन्यप्रत्ययं चेतः॥
   ख) शान्तमिदमाश्रमपदं स्फुरति च बाहुः कुतः फलमिहास्य।
   अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र॥

———— × ————